>

Title: Need to send a Central Team to assess the socio-economic conditions of the Gujar Community in Rajasthan.

MR. SPEAKER: Only Mr. Sachin Pilot will be recorded.

श्री सचिन पायलट (दौसा) : अध्यक्ष महोदय, आज से पांच दिन पूर्व भारत ने अपनी स्वतंतूता के 60 वर्ष पूर्ण किए, लेकिन 60 साल के स्वतंतू भारत में आज भी जो हालत हैं, उनका जिकू मैं आपके माध्यम से सदन में करना चाहता हूं।

महोदय, आप जानते हैं, सदन जानता है और पूरा देश जानता है कि 29 मई, 2007 को गूजर समाज के लोग अपने आरक्षण की मांग को लेकर सड़कों पर उतरे थे। 29 तारीख से लेकर लगातार तीन दिनों तक राजस्थान सरकार ने छः बार गोलियां चलाई, जिससे 24 लोगों की मौत हुई। ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please do not refer to the State matter.

श्री सचिन पायलट : अध्यक्ष महोदय, यदि मैं सत्य नहीं बोल रहा हूं, तो आप मुझे बोलने से मना कर दीजिए। सर, मैं तथ्य आपके माध्यम से सदन के ध्यान में ला रहा हूं। मेरा निवेदन है कि इस देश में कहीं पर भी, चाहे फिर वह नन्दीगूाम की घटना हो या खम्मम की, जहां भी पुलिस फायरिंग होती है, लोगों की मौत होती है, उसकी इन्क्वायरी होती है, जुडीशियल इन्क्वायरी होती है। पूरे देश में ऐसा होता है, लेकिन...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपने जो नोटिस दिया है उसके अनुसार सोश्यो-इकनौमिक कंडीशंस की स्टडी करने के लिए 'Need to send Central Team' कहा है, उस पर बोलिए।

श्री सचिन पायलट : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन के ध्यान में लाना चाहता हूं कि बूंदी जिले में पहली मंजिल पर चढ़कर पुलिस ने तीन लोगों को मंदिर के अंदर गोली मारी है। यदि राजस्थान सरकार 24 लोगों की मौत की जुडीशियल इन्क्वायरी नहीं करती है, तो मैं केन्द्र सरकार से मांग करता हूं कि उसे एक टीम भेजनी चाहिए। [r27]

जस्थान में हुई घटना की सच्चाई को वह सामने लेकर आए और जो हालात उत्पन्न हुए हैं, जिन लोगों ने यह काम किया है, उनको दण्ड दिया जाए।

महोदय, आपने दो रेलवे स्टेशन के लिए आधा घण्टा दे दिया, मैं तो जो 25 लोग मरे हैं, उनका जिकू करना चाहता हूं।

महोदय, जूडिशियल इन्क्वायरी हर जगह होती है...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: The notice is not on that subject; it is on the socio-economic conditions. You have given the notice very intelligently –"on the need to send a Central team to assess the socio-economic conditions." Please refer to that.

SHRI SACHIN PILOT : My submission to you is that my learned friend Shri Gurudas Dasgupta, जब होण्डा फैक्ट्री पर लॉठी चली थी तो पूरे सदन ने हंगामा कर दिया था, लेकिन वहां 25 लोग मारे गए हैं, लेकिन यहां से एक आवाज नहीं उठती है। मेरा आपसे अनुरोध है कि पूरा सदन मेरा साथ दे और राजस्थान में जो अत्याचार हुए हैं। इतिहास में पहली बार 25 लोगों को गोली मारी गई है। वहां सेन्ट्रल टीम जानी चाहिए और जिन लोगों ने गलती की है, उनको सामने आना चाहिए। एक नहीं तीन दिन तक गोलियां चली हैं। यहां से सामने वाले चले गए हैं, लेकिन इस सरकार के हाथ उन लोगों के खून से रंगे हुए हैं और हमें इंसाफ चाहिए।

MR. SPEAKER: This is not fair. I will not allow any State matter to be raised here. You have given the notice for the need to send a Central team to see the socio economic conditions of the community.

SHRI SACHIN PILOT : The community has asked for it. I would request the Central Government to send a team to investigate the issue.